प्रागैतिहासिक शुतुरमुर्ग घोंसले की खोज

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

हाल ही में पुरातत्त्वविदों द्वारा आंध्र प्रदेश के प्रकाशम में शुतुरमुर्ग के **41,000 वर्ष पुराने घोसले की खोज की** गई।

- इससे **भारत में महाप्राणी या मेगाफौना** (**50 किलोग्राम से अधिक वज़न** वाले जानवर) की विलुप्ति के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।
- **भारत में शुतुरमुर्गों के प्रारंभिक साक्ष्य:**
  - शुतुरमुर्ग के जीवाश्म पहली बार **वर्ष 1884** में पाकिस्तान के **ऊपरी शिवालिक पहाड़ियों** में स्थित **ढोक पठान निक्षेपों** में पाए गए थे।
    - हिमालय में शुतुरमुर्ग के जीवाश्मों की खोज से पता चलता है कि **अतीत में यह क्षेत्र कमज़ोर भारतीय मानसून** के कारण **शुष्क तथा ठंडा** था, जबकि अत्यंतनूतन युग (Pleistocene Epoch) के दौरान प्रायद्वीपीय भारत में ऐसा नहीं था।
  - इसके बाद वर्ष 1989 में महाराष्ट्र के पाटन (भारत के महाराष्ट्र के उत्तरी भाग में स्थित जलगाँव ज़िले का एक गाँव है) में **बड़ी संख्या में उच्च पुरापाषाण स्थल पर 50,000-40,000 वर्ष पूर्व** के **शुतुरमुर्ग के अंडे के छिलके उत्कीर्णन के साथ पाए** गए।
  - **वर्ष 2017 में साक्ष्यों से पता चला कि शुतुरमुर्ग 25,000 वर्ष** पहले **राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात** में मौजूद थे।
- **शुतुरमुर्ग (*Struthio Camelus*):**
  - **IUCN स्थिति:** कम चिंतनीय (Least Concern- LC)
  - **सबसे बड़े जीवित पक्षी: 2-2.8 मीटर लंबे, वज़न 90-160 किलोग्राम।**
  - **उड़ने में असमर्थ** पक्षी, 43 मील प्रति घंटे तक की गति वाले असाधारण धावक।
  - **अफ्रीकी सवाना और रेगिस्तान** (सोमालिया, इथियोपिया, केन्या, दक्षिण अफ्रीका) के स्थानिक।
  - ये **छोटे झुंड** में रहते हैं (एक दर्ज़न से भी कम), जिनका **नेतृत्व नर करते** हैं जो मुख्य रूप से अग्रणी मादा के साथ जनन करते हैं।

अधिक पढ़ें: [डिकिंसोनिया जीवाश्म]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/discovery-of-prehistoric-ostrich-nest